

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 376]

नई विस्ली, शुक्रवार, विसम्बर 10, 1982/ब्रग्रहायण 19, 1994

No. 376] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 10, 1982/AGRAHAYANA 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकल्प की रूप में रक्षा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complision

विस्त मंत्रालय (भाषिक कार्य विमाण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1982

सा० का० मि० 751 (अ) :---केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत पत्न प्रविनियम, 1959 (1959 का 46) की घाण 12 घार, प्रदत्त सन्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय बचत पत्न (छठा निर्गम) नियम, 1981 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, भर्षात् :---

- संक्षिप्त नाम ग्रीर प्रारंभ :--- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय बचत पत्त (छठा निर्मम) संगोधन नियम, 1982 है।
 - (2) यें '' '' 'को प्रवृत्त होने ।
 - (2) राष्ट्रीय अधन पन्न (छठा निर्गम) नियम, 1981 में,
- (i) खण्ड (1) के पश्चात निम्नलिखित् नया खण्ड ग्रन्तःस्थापित किया जाएगा, भर्यात् ⊶
 - "(1क) "नकवी" से भारतीय केरेन्सी नकवी अभिन्नेत है;"
- (ii) खण्ड (8) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड मन्तः स्थापित किया जाएना, मर्थात् :---
- "(क) "मिनवासी" का वही मर्थ है ओ मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2 के खण्ड (30) में उसका है;"; 1066 GI/85

- (iii) खण्ड (10) के पश्चात् निम्नलिश्वतं खण्ड श्रन्तःस्यापित किया जाएगा, श्रवांस् :---
- "(ii) "भारत में निवास " का वही धर्य है जो ग्रायकर प्रवित्यम 1961 (1961 का 43) में खसका है; ";
 - (2) नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, ग्रथीत् :-
- 6. पत्र के कप के लिए प्रक्रिया :— पत्र का कप करने का इच्छुक कोई व्यक्ति किसी डाकघर में झाबैदन :--
 - (i) प्ररूप 1 में प्रस्तुत करेगा, या
- (ii) यदि ऐसा झावेदन इस नियम के परम्तुक या नियम 8 में निर्विष्ट किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है या तो स्थयं उसके द्वारा या उसके संदेशवाहक के माध्यम से प्रकृप 1 क में (जो सभी द्वाक वरों में मुक्त मिलता है) किया जाएणा :

परन्तु जहा भावेदक ऐसा व्यावित है जो भारत का नागरिक महीं है या भारतीय उद्भवका व्यक्ति नहीं है, जो यथास्थिति अनिवासी है या जो भारत में निवासी मही है वहां पक्र के क्रय के लिए भारतीय रिक्षर्य मैंक का पूर्व भनुमोदन भावश्यक होगा ।

स्पष्टीकरण: | इन नियमों के प्रयोजनों के लिए किसी व्यक्ति के बारे में यह समझा जाएगा कि वह भारतीय उद्भव का है यदि वह या उसके माता पिता में से कोई एक या उसके पितामह, पितामही या मातामह या माता मही में से कोई धविभक्त भारत में जन्मा था";

- (3) नियम 8 में,----
- (i) खण्ड (2) के स्थान पर निम्निलिखित खण्ड रखा जाएगा, मर्थात् :—
- "(2) डाकपाल के पक्ष में लिखा गया कीई बैंक, हादायगी प्रावेश या मांग देय द्वापट;";
- (ii) निम्नलिखित परन्तुक भ्रीर स्पष्टीकरण ग्रन्स में जोड़ा जाण्या, सर्पात् :—

"परन्तु जहाँ भावेदरु कोई ज्यष्टि है जो भारत का नागरिक है या भारतीय उद् व का क्योन है जो यथास्थित निवासी है या जो भारत में निवासी नहीं है बहा यदि यह यथास्थित भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (4ख) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 5 की जपधारा (1) के खण्ड (16ग) या वानकर श्रधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 5 की जपधारा (1) के खण्ड (11व) के श्रधीन फायदों का उपभोग करना चाहता है तो वह केवल निम्नलिखित रीतियों में से किसी में ऐसा संवाय करेगा, श्रथीत :—

- (क) श्रावेदक भारत के किसी बैंक शाखा द्वारा में श्रपने अनिवासी
 (वैवेशिक) खाते में डाकपाल के पक्ष में लिखा गया कोई बैंक;
- (ख) भारत में किसी बैंक की शाखा द्वारा आवेदक के अनिवासी (बैंदे-शिक) खाते के प्रति विकलित करके या उसके विदेशी करेन्सी (अनिवासी) खाते में से प्रत्यहरण करके डाकपाल के पक्ष में लिखा गया कोई मांग वेय कुपट या अवायगी आदेश उकत बैंक साखा से इस प्रभाणपन्न सहित जिसमें यह उल्लिखित हो कि उनत मांग देय कुपट या अदायगी आदेश उकत खाने के प्रति विकलन करके या उससे प्रत्यहरणे करके जारी किया गया है;
- (ग) भारत के बाहर किसी देश में किसी बैंक ब्राग भारत में जसकी शाखा या तत्स्थानी बैंक का डाकपाल के फक्ष के लिखा गया कोई मांग देय ड्राफ्ट ;
- (घ) विदेशों से किए गए प्रेषण के प्रमाणपत या विदेशी मुटा का रूपयों में संपरिवर्तन उपवर्शित करते हुए बैंक प्रमाणपत या भावेदक के पक्ष में जारी किए बैंक प्रमाणपत, जिसमें यह अधिकथित हो कि निधि भावेदक के श्रनिवासी (बैदेशिक) खाते या विदेशी करेन्सी भनिषासी खाने से निर्गत हुईँ है, सहित नकदी।

स्पर्ध्वाकरण : इन नियमों के प्रयोजनों के लिए किसी व्यक्ति के बारे में यह समझा जाएगा कि वह भारतीय उद्भव का है यदि वह या उसके माला पिता में से कोई एक या उसके पिनामह, पितामही या मातामह या माला मही में से कोई धरिक्त भारत में जन्मा या;";

(4) नियम 9 के उपनियम 2 में निस्निलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा भयोत् :-

"परन्तु जहाँ पत्न या पत्नों के कय के लिए संदाय विदेशी करैन्सी
में मिश्वियक्त चैक या मादायगी आदेश या मांग देय इपट के माध्यम
से किया जाता है भौर उसके मागम आवेदिन पत्न या पत्नों के मिलत
मूल्य के समतुल्य नहीं है वहां पत्न उकत मागमों के भोतर यथासंभव
मधिकतम संकलित मिलत मूल्य के लिए जारी किए जाएंगे कितु वे किसी
भी दशा में भावीदत पत्न पत्नों से संकलित मंकित मूल्य से अधिक नहीं
होंगे भीर उकत भागमों की कोई मधिशेष रकम भावेदक के या ऐसी
रक्तम प्राप्त करने के लिए उसके द्वारा प्राधिकृत निसी व्यक्ति के प्रतिदाय
कर दी जाएगी या आवेदक के इक्षम स्वत देंक में भावेदक के वजन
चाते में जमा कर दी जाएगी:

- परन्तु यह भौर कि जहां संदाय नियम 8 के परन्तुक के खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट रीति में किया जाता है वहां पत्न पाने वाले बैंक की णाखा से डाकधरों द्वारा यह सूचना प्राप्त करने पर ही जारी किया जाएगा जो चैंक का संदाय पाने वाली बैंक की णाखा के पास आवेदक के प्रतिवासी (वैदेशिक) खाने की प्रति विकास करके किया गया है,",
- (5) नियम 10 में निम्नलिखित परन्तुक श्रन्त में ध्रन्तः स्थापित किया जाएगा, श्रयीत् :—

"परन्तु यह कि इस नियम में विनिर्दिष्ट पुराने पद्ध के बदले पक्ष जारे' करने की मुतिधा ऐसे व्यक्ति को उपलब्ध नहीं होगी जो यथान्यिति प्रनिवासी है या जो भारत में निवासी नहीं है;":

- (6) नियम 18 के उपनियम (1) में "प्ररूप 1" शब्द भीर भंक के स्थान पर "यथास्थिति प्ररूप या प्ररूप 1क" शब्द शंक भीर अक्षर रखा जाएगा ;
 - (7) नियम 28 में निम्निमिनित परन्तुक ओक्षा जाएगा , प्रथित् :---

"परन्तु यह कि ऐसे व्यक्ति द्वारा जो प्रतिज्ञासी है या उसकी भोर से नियम 6 या नियम 7 के प्रधीन कय किए गए पक्षों की देशा में ऐसे व्याज उक्त प्रधिनियम में इस निभिन्न विनिर्दिष्ट शर्तों की पूर्ति के प्रधीन रहते हुए कर का वायी नहीं होगा।";

(8) नियम 28 के पश्चात् निम्निश्चित नियम श्रम्न-स्थापित किय जाएगा, श्रयीत् :---

26क-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)मे इस निमित्त विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए किसी व्यक्ति द्वारा, को भारत में निवासी नहीं है या उसकी और से नियम 6 या नियम 7 के अधीन क्य किए गए पत्नों की वासत धन कर संदेय नहीं होगा।

28ाव-दान-कर —दानकर प्रधिनियम, 1958 (1958 का 13) में इस निमित्र विनिर्दिष्ट शर्तों के प्रजीन रहते हुए किसी व्यक्ति द्वारा जो भारत में निवासी नहीं है ऐसे व्यक्ति के भारत में किसी नासेवार को ऐसे व्यक्ति द्वारा नियम 6 के प्रधीन या उसकी ब्रोर से नियम 7 के प्रधीन क्रय किए गए पत्नों के रूप में किए गए दानों की वाबत कोई दानकर प्रभाय नहीं होगा।";

- (9) नियम 29 में;--
- (i) उपनियम (1) में खण्ड (4) के पश्चात् भौर स्पष्टीकरण
 (1) के पूर्व निम्नलिखित परन्तुक मन्तः स्थापित किया आएगा, मर्थात्ः

"परन्तु यह कि ऐसे व्यक्ति द्वारा जो यथास्थिति मनिवासी है या जो भारत में निवासी नहीं है कय किए गए पत्त की दशा में ऐसे संव्यव-हारों की बाबत कोई फीस प्रभार्य नहीं होगी।";

(ii) उपनियम (2) में परन्तु के पश्चात् निम्नलिकित परन्तुक श्रन्तःस्थापित किया जाणुगा, श्रवीत् —

'परन्तु यह धीर कि ऐसे व्यक्ति द्वारा जो, यसास्थिति प्रतिवासी है या भारत में निश्वासी नहीं है कय किए गए पक्ष की दशा में कोई फीस प्रभार्य नहीं होगी।';

- (10) प्ररूप 1 में "राष्ट्रीय बचत पत्न (छठा निर्मम) के ऋय के लिए ग्राबेदन का प्ररूप" शिर्वेक 3 में "आवेदन का प्ररूप" शब्दों के स्थान पर "ग्राबेदन का साधारण प्ररूप शब्द" रखे जाएगे;
- (11) प्रकृष 1 के पश्चात् निम्निलिखित प्ररूप ग्रन्तस्थापितं विधा जाएगा, मर्थात् :---

(1) मैं/हम राष्ट्रीय बचत पत्नों (छड़ा निगम) के कय के लिए जिनका स्थीरा नीचे दिया गया है, माबेदन करता हूं/करते हैं: अपेक्षित पत्नों की विभिष्टिया पत्नों की संख्या कुल मंकित मृहय प्रकार मर्चात संयुक्त सीभदान र० (६०)		"प्र एप 1 क
(1) वैहिन राष्ट्रीय सकत पत्नों (छड़ा निगम) के क्या के लिए जिनका स्थोरा नीचे विचा गया है, घावेदन करता हूं/करते हैं: अपेशिन गर्नों की विचिष्टिया पन्नों की संक्या हुन चिन्न न्या प्रकार घर्णीत संयुक्त "क" या "व "@ (घ०) 500 100 500 100 500 100 (क) केरे नामहिमारे नामों में£ (ब) प्रवयक्त की अन्न की सार्र सें£ प्रवयक्त की अन्न की सार्र सें£ प्रवयक्त की अन्न की सार्र सेंद्र पत्न अववस्त्र की अन्न की सार्र सेंद्र पत्न अववस्त्र की अन्न की तारिक ।पत्न अववस्त्र की अन्न की सार्र सेंद्र पत्न अववस्त्र की अन्न की सार्र सेंद्र पत्न अववस्त्र की अन्न की सार्र सेंद्र (ब) प्रवयक्त की श्रमां मांत्र प्रवास का नाम चौर पत्ना के माध्यम से (बैक काव्य का नाम चौर पत्ना) के माध्यम से (बैक काव्य का नाम चौर प्रजा की साम में ६६ (क)(स्व)(ए) काट्य सीचिंग एक का या उत्तरनीर्थ को सदेव है। (क)(स्व)(ए) काट्य सीचिंग यदि नान् न हो हों? चत्र पत्नी में नाम उपरामों सहित यदि हो तो, पत्ना चीर निया का देस कि मं मानवानी (देरीकर) (बीर, चीर हो तो, पत्ना चीर नाम को देस की मं मानवानी (देरीकर) (बीर को कर की सर्ग हों स्वी करोनी (धीनकावी) काना प्रवान को व्यवहारी की घोर से किसी प्रविद्यांक कै से ते सर्ग में 2 वित्य सार्वेदिन पत्न की कम कीमत होतु. के बाकपाल के पन्न में		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
श्री हैं से स्वाप्त पार्टी स्व वन पार्टी (डाज निगम) के क्य के लिए जिसका स्थीरा नीचे दिया गया है, साबेबन करता हूं/करने हैं: अर्थ लिस पार्टी की विकारिया पार्टी की संक्या दुत संकित मृत्य प्रकार सर्वात संयुक्त "क" या "ख" "@ (क) 500 100 500 100 50 10 वोग (क) मेरे नाम/हमारे नामों में£ (य) घ्रवयक्त की और सें£ प्रवयक्त की और सोंदि प्रवयक्त की और नाम हमारी नामों कि निर्माण की सारीख- चित्र ध्रवयक्त की कि नामा सोंदि (य) घ्रवयक्त की कि नामा सोंदि (य) घ्रवयक्त की कि नामा सोंदि (य) घ्रवयक्त की कि नामा मेरि विकार संस्कृत द्वारा पृमाने योग्य बनाया जाएगा। ३(व) के माध्यम से (बैक बाखा का नाम सीर पता) के नाम में ६६ (व)/(य)/(य) कार रीचिय मंदि लाग् का सा उत्तरजीर्थ को सर्वय है। (क)/(य)/(य) कार रीचिय मंदि लाग् न हो ईमेरे प्रवारों में नाम जनामं तिहन यदि हो तो, पता भीर निवास का देश की मंदि सानी सिंदि से कि के के सिर्। *2 वित्य सामी विकास कार रीचिया, यदि, स्वीस्ता न हो दैके में मूर्तिवासी (देरीजक्र)/विदेशी करेन्सी (सनिवासों) जाता त्यन वाले व्यवहारी की भीर से किसी सांअसुचित कै के सिर्। *2 वित्य सामेविया पत्रों की का कीमत होतु. *3 वाकपाल के पत्र में		भ्रनिवासी या ऐसे व्यक्ति द्वारा, जो भारत में निवासी नहीं हैं. राष्ट्रांय बचत पत्न (छटा निर्गम) के ऋय के लिए भ्रावेदन का प्ररूप
(1) वैं(त्य राष्ट्रीय बचन वर्गे (कटानिषम) के अस के लिए जिनका स्थोरा नीचे दिया गया है, साबैदन करता हूं/करते हैं: अर्थे लित वर्गों की विकित्यंश पत्रों की संख्या कुत संकित मृत्य प्रकार मर्यात संयुक्त पर्ण (६०) 5000 1000 500 10 वीग (क) मेरे नाम[हमारे नामों में£— (ब) प्रवयक्त की घोर तोई— प्रवयक्त की घोर तोई— प्रवयक्त की घोर तोई— व्यवस्त्र की भ्रमा की शारीख— पत्र प्रवयक्त की किन्ना/माना/माना-पिना मे मे किसी एक/विक्रिक संस्त्रक द्वारा मुनाने योग्य बनाया जाएगा। 1(ग)— के साध्या से (किक साथा का नाम धौर पता) के नाम में !£ (क) (क)/(व) जाट रीचिंग पति नाए न ही £मंड सराने में ने किसी एक का या उत्तरकीर्थ को सर्वय है। (क)/(क)/(व) जाट रीचिंग पति नाए न ही £मंड सराने में नाम उपनामों गढ़िन यदि हो तो, पना भीन तिवाम का वैम किसी प्रकार पति हो तो, पना भीन तिवाम का वैम किसी प्रविक्रण काट रीचिंग, यदि, सर्थवन न ही देवें में मुनियानी (दैरीका)/विदेशी करेनी (धनिवास)) खाना ग्रमं वाले व्यवहारों को भीर से किसी प्रध्यावित कैस के लिए। *2 वीं हम सावित्र पता की कब भीमत हेतु. के बाकवाल के पत्र में		क्रम सं०
अपेशिस पत्नों की विविधिद्या पत्नों की संग्रमा कुल अंकित मृत्य प्रकार धर्मात संयुक्त प्रभावान प्रभावान पत्नों की संग्रमा कुल अंकित मृत्य प्रकार धर्मात संयुक्त पत्ने या "ख" (@ 500 100 गैंग (क) मेरे नाम[हुमारे नामों में£ (ख) प्रवयक की घोर सें£ अववरक की घोर सें£ पत्र बस्त्यक के पिना[माता[माता-पिना में में किसी एक]विधिक संद्रक द्वारा भूमाने शोध्य बनाया अएगा। ‡(ग) के माध्यम से (के बाजा का नाम धरेर पता) के नाम में धूर्म (क) [(ख) (ज) शहर दीचिन पत्र का या उत्तरजीवी को सदेस है। (क) [(ख) (ज) शहर दीचिन यदि हो तो, जा भीर निवास का तेम [कीई या सभी विकल्प कार गीजन, यदि प्रयोक्ति न हो चैक में मुनिनयामी (देरीक्रक) [विदेशों करेसी (धनिवास) काना न्यान बाले व्यवहारी की भीर से किसी प्रावस्त्र के किए। * व्यान पत्र प्रमान के पत्र में विवास अभिवत्य पत्रां के क्य कीमत हेसु के बाकाल के पत्र में	भनु दे रा	
प्रभावत प्रकार प्रवास संपुत्त (क) वहाँ की संख्या कुल प्रक्रित मृत्य प्रकार प्रयास संपुत्त प्रवास किया प्रकार प्रयास संपुत्त (क)		(1) मैं/हम राष्ट्रीय बचत पत्नों (छठा निगम) के ऋष के लिए जिनका स्थीरा नीचे विया गया है, ग्राबेदन करता हूं/करने हैं:
पंच "च		अपें क्षित पत्नों की विशिष्टिया
प्रक (४०) 500 100 50 10 वीप (क) मेरे नाम/हमारे नामों में£ (ब) प्रवयक की भार सें£ प्रवयक की भार सेंद्र (ब) प्रवयक की भार सेंद्र (ब) प्रवयक की भार सेंद्र (व) प्रवयक की प्रवाणित में में किसी एक/विधिक संस्क्रक द्वारा भूनाने योग्य बनाया जाएगा। ‡ (ग) के माध्यम से (बैक जावा का नाम घीर पता) के नाम में ६ (क) संयुक्त प्रति के किए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पत्र दोनी प्रारक्तों की समुक्तनः या उत्तरजीयी की सेंद्रेय हैं। समुक्त "ख" प्रकार नोनों में ने किसी एक का या उत्तरजीयों की सर्वय है। (क)/(क)/(ग) काट रीविण यदि नाए न हो £ मोरे प्रधारों में नाम उपनामों सहित यदि हो तो, पत्रा धीर निकास का देश किसे या सभी विकल्प काट रीविण, यदि, प्रयेक्ति न हो देक में प्रतियासी (वैरेसिक्त)/विषयों करेसी (धिनायासी) आता त्यन वाले व्यवहारी की भीर से किसी प्रधिस्चित कैक के किए। *2 वै/वास धाविदित पत्रों की क्रम कीमत हेस्र, (क)		
100 500 100 500 100 0 गेर नाम/हमारे नामों में £ (क) मेरे नाम/हमारे नामों में £ (क) भेरे नाम/हमारे नामों में £ (क) भ्रम्यक की भ्रम की सीर से £ भ्रम्यक की भ्रम की सीर से £ भ्रम्यक की भ्रम की सीरीच 1 पत्र भ्रम्यक की भ्रम की तारीच 1 पत्र भ्रम्यक की भ्रम की तारीच 1 माध्यम से (बैक साव्या का नाम भीर पत्रा) के माध्यम से (बैक साव्या का नाम भीर पत्रा) के नाम में ध £ (क) संयुक्त ध्रित के लिए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पत्र योगी धारकों को समुक्ततः या उत्तरजीयी को संदेम है समुक्त "ख" प्रकार बोगों में ने किमी एक का या उत्तरजीयी को संदेम है। (क)/(ख)/(ग) काट दीनिण यान ति हत या दा हो तो, पत्रा भीर निवास का देश कोई या सभी विकल्प काट रीजिण, यदि, पर्योखन न हो देक में प्रनिवासी (दैर्योक्क)/विदेशी करेसी (भ्रमियाधी) आता प्रसने वाले व्यवहारी को भीर से किसी समिसूजित कैंक के लिए। *2 मैं/हम आवेदिन पत्रों की त्रम कीमत हेतु, (क) —————————————————————————————————		
500 100 50 10 थोग (क) मेरे नाम/हमारे नामों में £ (ख) प्रजयक्त की ग्रेगर सें£ ग्राव्यक्त की अन्म की तारीख थात्र प्रजयक्त की पिना/माता/माता-पिना में में किसी एक/विधिक संरक्षक द्वारा भूमाने थोग्य बनाया जाएगा। ‡(ग) के माध्यम से (बैक बाखा का नाम ग्रीर पता) के नाम में धि (ॐसंयुक्त पृति के लिए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पत्र दोनों धारकों को संयुक्तनः या उत्तरजीयों को संदेम है। स्युक्त "ख" प्रकार दोनों में में किसी एक का या उत्तरजीवों को संदेम है। (क)/(ख)/(ग) काह रीनिण यदि लाए न हो £मोटे ग्राराने में नाम उपनामों नहिन यदि हो तो, पत्रा भौर निवास का देश कोई या सभी विकल्प काट रीजिण, यदि, ग्रांथिलन न हो थेक में प्रनिवासी (दैर्थिकक)/विरेशों करेन्सी (धनिवासी) जाता रखने वाले व्यवहारी को ग्रोर से विसी ग्रांधसूचित कैंक के सिर्। *2 विंत्रम धार्थितन पत्रों की कथ कीमस हेसु, (क) के बाकपाल के पत्र में	5000	
100 50 10 योग (क) मेरे नाम/हमारे नामों में£ (ख) प्रवस्क की और से£ (ख) प्रवस्क की और से£ (ख) प्रवस्क की और से£ (ख) प्रवस्क की और से£ (क) स्वस्क की अन्य की तारीख (के माध्यम से (बैक माध्या का नाम पौर पता) के माध्यम से (बैक माध्या का नाम पौर पता) के नाम में ध्रि (क) संस्क 'ख" प्रकार कोरों में से किसी एक का या उत्तरजीवी को संदम है। (क)/(ख)/(ख) (ख) काट दीचिए यदि लागू न हो ईमोट महारों में नाम उपलामों तहित यदि हो तो, पना भीर निवास का देश (कोई या सभी विकल्प काट टीजिए, यदि, प्रपेकित न हो ईके में प्रानियासी (दैर्दाक्क)/विदेशी करेन्सी (धनिवासी) खाता रखने वाले व्यवहारी को घोर से किसी प्रधिमुचित बैंक के सिए। *2 मैं/इस प्रावेदित पतां की कम कीमत होतु. (क)	1000	
10 थोग (क) मेरे नाम/हमारे नामों में £ (ख) प्रवयस्त की ओर से £ प्रवयस्त की अन्य की सोर से £ प्रवयस्त की अन्य की तारीख- थिक ध्रवयस्त के पिना/माता/माता-पिना में से किसी एक/विधिक संरक्षक द्वारा भूमाने योग्य बनाया जाएगा। ३ माध्यम से (बैक माखा का नाम धौर पता) के नाम में € (ऐसंयुक्त धृति के लिए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पत्र दोनो झारकों को सधुक्तनः या उत्तरजीयों को संदेय है। (क)/(ख)/(ग) काट दीचिए यदि नाए न हो ईमोटे घ्रधारों में नाम उपनामों नहिन यदि हो तो, पना धौर निवास का देश कोई या सभी विकल्प काट रीजिए, यदि, धपेक्षित न हो ३ मैं इम धार्षित पत्रां की कथ कीमत हेंदु, (क) *2 मैं इस धार्षित पत्रां की कथ कीमत हेंदु, के बाकपाल के पत्र में	500	
10 योग (क) मेरे नाम/हमारे नागी में£ (ख) प्रवयस्त्र की फोर से£ प्रवयस्त्र की अन्य की तागीख- विश्व प्रवयस्त्र की अन्य की तागीख- विश्व प्रवयस्त्र की अन्य की तागीख- के माध्यम से (बैक बाखा का नाम भीर पता) के माध्यम से (बैक बाखा का नाम भीर पता) के नाम में ध्री (@संयुक्त ख़ुति के लिए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पत्र दोनो छारकों को समुक्ततः या उत्तरजीयी को संदेम हैं समुक्त "ख" प्रकार दोनों में में किसी एक का या उत्तरजीवी को संदेम है। (क)/(ख)/(ग) काट दीनिए यदि लागू न हो £मोटे घटारो में नाम उपनामों नहिन यदि हो तो, पता भीर निवास का देश कोई या सभी विकल्प काट शैजिए, पदि प्रपेक्षित न हो ‡कैक में ध्रुनियामी (वैदेशक्त)/विदेशों करेन्सी (ध्रुनियासी) खाता रखने बाले व्यवहारी को घोर से किसी ग्रांधसूचित कैंक के लिए। *2 मैं/हम प्रांवियत पत्रां की कथ कीमत हेतु, (क) के बाकपाल के पत्र में		
(क) मेरे नाम/हमारे नामों में £ (ख) प्रवयस्क की ओर से £ प्रवयस्क की अत्म की तारीख		
(क) मेरे नाम/हमारे नामों में£ (ख) प्रवयस्क की ओर से£ प्रवयस्क की अत्म की लागिख- पेषत्न प्रवयस्क के पिना/माता/माता-पिना में में किसी एक/विधिक संरक्षक द्वारा भूमाने योग्य बनाया जाएगा। ‡(ग) के माध्यम से (बैक शाखा का नाम और पता) के माध्यम से (बैक शाखा का नाम और पता) के नाम में ।£ (क) संयुक्त झूर्त के लिए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पत्न दोनों द्वारकों को सयुक्तनः या उत्तरजीयों को संदेम हैं स्युक्त "ख" प्रकार दोनों में ने किसी एक का या उत्तरजीवों को सर्वम है। (क)/(ख)/(ग) काट दीनिए यदि नगए न हो £मोटे प्रदारों में नाम उपनामों नहिन यदि हो तो, पना भौर निवास का देश किदी या सभी विकल्प काट शिजिए, यदि, प्रयोखन न हो देवेक में ध्रानियानी (दैदेखिक)/विदेशों करेन्सी (ध्रानियासी) खाता प्रसान वाले व्यवहारी की घोर से किसी प्रक्षित्रचित कैक के लिए। *2 मैं/हम ध्रावियानी (दैदेखिक)/विदेशों करेन्सी (ध्रानियासी) खाता प्रसान वाले व्यवहारी की घोर से किसी प्रक्षित्रचित कैक के लिए। *2 मैं/हम ध्रावियान पत्नों की क्रम कीमत हेसु, के बाकपाल के पक्ष में		
(ख) प्रवयस्क की ओर से£ प्रवयस्क की अत्म की तारीख- पय प्रवयस्क के पिता/माता-पिता में से किसी एक/विधिक संरक्षक द्वारा भुनाने योग्य यनाया जाएगा। ‡(ग) के साध्यम से (बैक गाव्या का नाम ग्रीर पता) के नाम में ।£ (के संयुक्त धृति के लिए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पत्र दोनो घारकों को संयुक्तनः या उत्तरजीयों को संदेम हैं: सयक्त "ख" प्रकार बोनों में से किसी एक का या उत्तरजीवीं को संदेम हैं। (क)/(ख)/(ग) काट दीनिए यदि नाए न हो £मोंटे मधारों में नाम उपनामों सहित यदि हो तो, पना भीर निवास का देश किमेई या सभी विकल्प काट रीजिए, यदि, मपेक्षित न हो वैक में ग्रानियासी (दैर्थाक्षक)/विदेशों करेन्सी (धिनयासी) खाता खने वाले व्यवहारी को ग्रीर से किसी ग्रांधसुन्ति वैक के लिए। *2 मैं/हम ग्रांबेंदिन पत्रों की क्य कीमत हेसु, (क)		
भवपस्क की अन्म की तारीख- पिन्न धवपस्क के पिना/माता/माता-पिना में में किसी एक/विधिक संरक्षक द्वारा भुमाने योग्य बनाया जाएगा। ‡ (ग) के माध्यम से (बैक गाखा का नाम धीर पता) के माध्यम से (बैक गाखा का नाम धीर पता) के नाम में ।£ (मिंगुकत धृति के लिए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पत्र दोनो धारकों को सयुक्ततः या उत्तरजीयी को संदेय हैं। सयुक्त "ख" प्रकार बोनों में ने किसी एक का या उत्तरजीवी को संदेय है। (क)/(ख)/(ग) काट दीनिए यदि लाए न ही £मोंटे प्रथरों में नाम उपनामों सहित यदि हो तो, पना भीर निवास का देश कोई या सभी विकल्प काट रीजिए, यदि, प्रपेक्षित न हो ‡येक में प्रानिवासी (दैर्येशिक)/विदेशी करेन्सी (धनिवासी) खाता रखने वाले व्यवहारी को धोर से किसी ग्रीधसूचित वैक के लिए। *2 मैं/हम श्रावेदित पत्रों की क्य कीमत हेसु, (क) के ग्राकपाल के पक्ष में		,
पित्र भ्रवयस्क के पिता/माता/माता-पिता में में किसी एक/विधिक संरक्षक द्वारा भुमाने योग्य बनाया जाएगा। ‡(ग)————————————————————————————————————		
‡(ग)————————————————————————————————————		
वेः माध्यम से (बैक शाखा का नाम ग्रीर पता) ———————————————————————————————————		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
 (७ संयुक्त धृति के लिए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पस्न दोनो धारकों को संयुक्ततः या उत्तरजीयों को संदेम हैं स्युक्त "ख" प्रकार दोनों में ने किसी एक का या उत्तरजीवों को सदेय हैं। (क)/(ख)/(ग) काट दीत्तिए यदि लाग् न हो £मोटे शक्षरों में नाम उपनामों सहित यदि हो तो, पता और निवास का देश कोई या सभी विकल्प काट शिजिए, यदि, भपेक्षित न हो ‡बैंक में ध्रानिधामी (दैरेशिक)/विदेशी करेन्सी (ध्रानिधासी) खाता रखने वाले व्यवहारी की धोर से किसी अधिसूचित बैंक के लिए। *2 मैं/इम अधिदित पत्नों की कथ कीमत हेतु, (क) 		
(िसंयुक्त भृति के लिए भरा जाएगा संयुक्त "क" प्रकार पस्न दोनो धारकों को संयुक्ततः या उत्तरजीयों को संदेम हैं। संयुक्त "ख" प्रकार दोनों में ने किसी एक का या उत्तरजीवी को संदेम है। (क)/(ख)/(ग) काट दीनिए यदि लाए न हो £मीटे भ्रक्षरों में नाम उपनामों सहित यदि हो तो, पता भौर निवास का देश कोई या सभी विकल्प काट रीजिए, यदि, भपेक्षित न हो देवैक में भ्रानिवासी (वैदेशिक)/विदेशी करेन्सी (भ्रानिवासी) खाता रखने वाले व्यवहारी की भ्रोर से किसी अधिसूचित बैंक के लिए। *2 मैं/हम श्रावेदित पत्नां की कथ कीमत हेतु, (क)		·
(क)/(ख)/(ग) काट दीनिए यदि लाग् न हो £मंटे प्रकारों में नाम उपनामों सहित यदि हो तो, पता भीर निवास का देश †कोई या सभी विकल्प काट ग्रीजिए, यदि, भपेक्षित न हो गैंबैक में प्रानिवासी (कैंदेशिक)/विदेशी करेन्सी (भ्रनिवासी) खाता रखने वाले व्यवहारी की ग्रीर से किसी ग्राधिसूचित बैंक के लिए। *2 मैं/हम श्रावेदित पत्नां की कथ कीमत हेसु, (क) ————————————————————————————————————		
£मोटे ग्रक्षरों में नाम उपनामों सहित यदि हो तो, पना भौर निवास का देश कोई या सभी विकल्प काट शिजिए, यदि, भपेक्षित न हो वैक में भ्रानियामी (दैरेशिक)/विदेशी करेन्सी (भ्रानियासी) खाता रखने वाले व्यवहारी की भ्रोर से किसी ग्राधिसूचित वैंक के लिए। *2 मैं/हम श्राविदित पत्नों की कथ कीमत हेंद्र, (क)		सयुक्त ''ख" प्रकार दोनों में से किसी एक का या उत्तरजीवी को सदेस है।
कोई या सभी विकल्प काट रीजिए, यदि, भपेक्षित न हो ैबैक में प्रतिवामी (दैंदेशिक)/विदेशी करेन्सी (प्रतिवासी) खाता रखने वाले व्यवहारी की ग्रोर से किसी ग्रधिसूचित बैंक के लिए। *2 मैं/हम श्रावेदित पत्नां की कथ कीमत हेतु, (क) ————————————————————————————————————		$(\mathbf{v})/(\mathbf{u})/(\mathbf{u})$ काट दीनिए यदि लाग् न हो
ौबेक में प्रतिवासी (दैदेशिक)/विदेशी करेन्सी (प्रतिवासी) खाता रखने वाले व्यवहारी की ग्रोर से किसी ग्रधिसूचित वैंक के लिए। *2 मैं/हम ग्रावेदित पत्रों की ऋग्र कीमत हेतु, (क) ————————————————————————————————————		
*2 मैं/हम ग्रावेदित पद्यां की ऋष कीमत हेतु, (क) ————————————————————————————————————		
(क)के डाकपास के पक्ष में		

इसके माथ निविदित्त करना हं/करते हैं।

(द्वाकघर का नाम)

(भाग्त में बैक शाखा का नाम घौर पता)

मनिवासी (वैदेशिक) खाता सं० के प्रति विकल्पित करके याः

^{*}सथास्थिति (क)/(स)/(ग)/(घ) मरें भौर मेध काट दें।

^{**}भावेदक (आवेदकों) या व्यवहारी भावेदक (भावेदकों) की मोर से किसी मधिसूचित वैंक **के लिए**।

% जो भागलागून ही उन्हें काट वें।

%%यदि धावेदक निरक्षर है तो उसके पिता का नाम भी दिया जाएगा ।

माचेदक (माश्रेदकों) का नाम भीर पता) के करेंग्सी (मनिवासीं) खाता सं०से समतुत्य निकि
के प्रस्याहरण द्वारा उपत बैंक से इस प्रमाणपत्न सहित जिसमें यह पुष्ट किया गया है कि ड्राफ्ट/मदायगी भ्राप्तेण ऊपर-निर्दिष्ट खाते के प्रति विकल
करके या उससे प्रत्याहरण करके जारी किया गया है स्व
के लिए जारी किया गया मांगदेय द्राफट/प्रदायण् भादेण सं०

(ग)के डाकपाल के पक्ष मेके (डाकघर का नाम)
(भारत के बाहर किसी देश में जैंक का नाम और पता)
(भारत में उसकी भावा या तरम्थामी वैक का माम भीर पता)
पर
तारी ल —
(घ) का न
रकम, विदेशों से किए गए प्रेयणों के प्रमाण-पक्त/विदेशी मुद्रा का रुगए में संपरिवर्णन उपर्यक्तिय करते हुए प्रमाण-प यह उपर्दाशत करने हुए कि निधियो
सेरे/हमारे भनिवासी (वैदेशिक)/विदेशी करेन्सी भनिवासी खाता सं
हमारे पक्ष में (संबंधित पै क का नाम भीर पता)
 ————————————————————————————————————
*राणि अक्षरों भीर भकों में भारतीय या विदेशी मृद्रा में जैसा भी हो 3 मैं/हम इस बात के लिए सहमत हुं/है कि
\$(क) उन मामलों मे अहां डाकघर उन निधियों का, जिनमें से पक्षों का ऋय किया जाना है, स्रोत दक्षित करने वाले बैंक प्रमाणपक्ष की धपेक्षा क है वहां पक्ष मुझे/हमें डाकघर द्वारा ऐसे बैंक प्रमाणंपत्र की प्राप्ति पर ही जारी किए आएंगे।
\$\$(स्त) यदि चैक/मांगदेय ड्राफ्ट के भागन भाषेदित पन्न (पत्नों) के श्रंकित मूल्य मे कम हैं दो पन्न ऐसे भागमो के भीतर श्रधिकतम यथा सं कुल श्रंकित मूल्य के लिए जारी किया जा सकेगा/किए जा सकेंगे;
यदि ऐसे मागम भावेदित पत्र (पत्नों) के भंकित मूल्प से श्रधिक है तो यथा भावेदित पत्र जारी किया जा सकेगा/फिए जा सकेंगे; इ \$\$\$बोनों में से किसी दशा में भागमों की शेष रकम का
(ध्यक्ति का नाम ध्रीर पता)
को जो उसे प्राप्त करने के लिए मेरे/हमारे द्वारा श्राधिकृत किया जातः है, (ग) प्रतिदाय किया जा सकेगा, या डाकघर बचत बैंक
(डाकंबर का नाम)
%4. मैं/हम घोषित करता हूं/करते है कि मैं/हम भारत का/के नार्गारक हूं/हैं भारतीय उद्यक्ष्य का/के व्यक्ति हूं/हैं।
टिप्पण : किसी व्यक्ति के बारे में यह समझा जाएगा कि वह भारतीय उदभव का है यदि वह या उस के माना पिता में से कोई एक या उस पितामह या पितामहो या मातामह या मातामहो में से कोई भविभक्त भारत में जत्मा था।
% 5. मैं/हम राष्ट्रीय अवन पत्र (छठा निर्गम) नियम, 1981 का पालन करने का करार करना हूं/करने हैं।
% 6. मुझे/हमें पहचान पर्ची की श्रवेका है/नहीं हैं।
टिप्पण अवस्क की भोर से कय की दशा में उपर पैरा 1(ख) द्वारा प्राविज्ञ व्यक्ति से भिन्न किसी व्यक्ति को शोई पहचान पर्ची जारी न की जाएगी।
अपर पैरा 1(ख) के अनुसार प्राधिकृत व्यक्तियों) के, यदि कोई हों, आवेदक (भावेदकों) %% के हस्ताक्षर
हस्ताक्षर (पंगूठे का निशान महीं)
तारीख तारीख
पता
\$वहां लागृ होगा जहां थैंक प्रमाणपत्र भावेदन के साथ नहीं प्रस्तुत किया जाता है।
\$\$केवल निवेश गरेग्सी में भ्रामिक्यन्त पैक/ब्रापट के लिए लागू ।
\$\$\$यवास्यित (ग) सा (च) काट वें।

	[/] ** विनियोक्ता (.वि	नियोक्ताक्षो) के हस्ताक्षर या (अंगूठे का निमान यदि निरक्षर हों)
	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , 	
**हस्ताक्षर/ग्रंगूठे का निशान केवल तब लगाया जाएगा जब चिनियोक्		ाही नेता है।
 पत्न, जिनका स्थीरा उत्पर दिया गया है भीर *** पहचान वर्षी ! 	प्राप्तकी।	
		भ्रमिकर्ता/संदेशवाहक के हस्ताक्षर या प्रंगूठे का निगान र्ता की दशा में उसका श्रीधकारपत्न संश्र्मी दी जानी चाहिए)
****शावेवक (धावेदको) के पहचान चिन्न	****ग्रावे द क (ब्रावेदकों) के नमूना हस्ताक्षर
£8. सरकारी अजन ाब प्रधिनियम, 1959 की धारा छ(1) के उ तीचे वर्णित व्यक्ति (व्यक्तियों) को, जो मेरी/हमारी मन्यु पर धन्य सभी व्या का/के हकवार हो जाएगा/जाएंगे, इसके द्वारा नामनिर्दिष्ट करत हैं ≔⊢		
		
कम सं० नार्मनिर्देशितो (नार्मनिर्देशितियों) का/के नाम	पूरा पना 	श्रवयस्क की दशा में नामनिर्देशिती के जन्म की तारीख ──
यदि पहचान पर्जी की प्रपेक्षा नहीं की जाती है तो उने काट यीजि *तत्र दिए जाएंगे यदि पहचान पर्जी को प्रपेक्षा की जाती है ग्रीर य है।	तर्राः	की तारीख
यदि पहचान पर्जी की अपेक्षा नहीं की जाती है तो उने काट यीति *तत्र दिए जाएंगे यदि पहचान पर्जी को अपेक्षा की जाती है और य है। £जो भाग लागू न हो उन्हें काट दें।	जुल् । तिक् धानेदत प्रसिकर्ना, सदेश	की तारीखा वाहक या स्रक्षिपूचिंग वैंक के माध्यम से दिया जाता
यदि पहचान पर्जी की अपेक्षा नहीं की जाती है तो उने काट यीति *तत्र दिए जाएंगे यदि पहचान पर्जी को अपेक्षा की जाती है और य है। £जी भाग लागू न हो उन्हें काट दे। क्रमर कम सं॰————————————————————————————————————	त्रण् । वि भानेदन प्रसिक्तां, सदेशः	की तारीख वाह्रक या स्रक्षिपूचिंग बैंक के माध्यम से दिया जाता पर नामनिर्वेशिती सथयस्क है/हैं, मैं/हम
यदि पहचान पर्ची की प्रपेक्षा नहीं की जाती है तो उने काट यीति *तत्र दिए जाएंगे यदि पहचान पर्ची को प्रपेक्षा की जाता है और य है। £जो भाग लागू न हो उन्हें काट दें। क्रमर कम सं॰ श्री/श्रीमती/कुमारी (नाम ग्रीर पूरा पता) को नामनिर्देशिती (नामनिर्देशिनियों) की ग्रथयस्कता वाले स्यक्ति के रूप में नियुक्त करता हू/करते हैं।	तए । दि भानेदन प्रसिकर्ता, सदेग के दौरान भेरी/हमारी मृत्यु	की तारीख वाह्रक या प्रक्षिपूचित खैंक के माध्यम से दिया जाता पर नामनिर्वेशिती मथयस्क है/हैं, मैं/ह्य
यदि पहलान पर्जी की प्रपेक्षा नहीं की जाती है तो उने काट येशि *तव दिए जाएंगे यदि पहलान पर्जी को प्रोक्षा की जाती है और य है। £जो भाग लागू न हो उन्हें काट दे। क्रमर कम सं॰————————————————————————————————————	तर्प । दि भानेदन घनिकर्ता, सदेग के दौरान भेरी/हमारी मृत्यु धारक (धारको)	की तारीख वाह्रक या स्रिधिपूचिंग बैंक के माध्यम से दिया जाता पर नामनिर्वेशिती सथयस्क है/हैं, मैं/हुव हो जाने पर उग/उन पर फोध्य रकम प्रास्त करन

राष्ट्रीय बचन पत्न (छठा निर्गम) की कुल संख्या	
££वसूल की गई रकम रू	
££बह रकम जिसके लिए पञ्च जारी किए गए	·
पैरा 3(ख) के ब्रनुसार प्रतिदाय की गई रकम	₹0
तारीख	डाकपाल के हस्ताक्षर
	[एक 2/21/82एन० एस० (i)]

££विदेशी करेन्सी में चैक/मांगदेय ड्राफ्ट द्वारा विनिधान की दशा मे।

टिप्पणी

मुख नियम 24 ग्राप्रैल, 1981 के सारकार्वित सद्भा 309 (ग्र) में प्रकाणित किए गए हैं।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December, 1982

G.S.R. 751(E).——In exercise of the power, conford 1 b/ Section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules to amen't the National Savings Certificates (VI Issue) rules 1981, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Savings Certificates (VI Issue) Amendment Rules, 1982.
 - (2) They shall come into force on the 1st day of January, 1983.
- 2. In the National Savings Certificates (VI Issue) R thes.
 - (1) in rule 2—
 - (i) after clause (i), the following clause shall be inserted, namely:—
 - '(ia) "cash" means cash in In lian currency;';
 - (ii) after clause (viii), the following clause shall be inserted, namely:—
 - '(viiia) "non-resident" has the meaning assigned to it in clause (30) of section 2 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961);";
 - (iii) after clause (x), the following clause shall be ensent d, namely:—
 - '(xi) "resident in Iodia" has the meaning assigned to it in the Income-tax Act, 1961(43 of 1961);";
- (2) for rule 6, the following rule shall be substituted, namely:
- "6. Procedure for purchase of certificate.—Any person desiring to purchase a certificate, shall present at a post office, an application—
 - (i) in Form 1, or
 - (ii) if such application is made by any person referred to in the provise to this rule or rule 8, in Form 1A, (obtainable free of cost at all post offices) either in person or through an authorised agent of the Small Savings Schemes:

Provided that where the applicant is an individual not being citizen of India or not being a person of Indian origin, who

is a non-resident or, as the case may be, who is not resident in India, prior approval of the Reserve Bank of India for the purchase of the certificate shall be necessary.

Explanation:—For the purposes of this rule, a person shall be deemed to be of in tian origin if he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in mivide t India.";

- (3) in rule 8, -
- (i) for clause (ii), the following clause shall be substitute⁴, namely:—
- "(ii) a cheque, pay order or demand draft drawn in favour of the post master;";
- (iii) the following provise and Explanation shall be added at the end, namely: --

Provided that where the applicant is an in lividual, being a citizen of India or a person of Indian origin who is a non-resident or, as the case may be, who is not resident in India, he shall, if he desires to avail of the benefits under clause (4B) of section 10 of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961), or clause (xvic) of sub-section (1) of section 5 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) or clause (iid) of sub-section (1) of section 5 of the Giftax Act, 1958 (18 of 1953), as the case may be, make such payment only in any of the following modes, namely:

- (a) a chequa in favour of the postmaster drawn by the applicant on his Non-Resident (Hyternal) Account with a bank branch in India;
- (b) a demand draft or pay order in favour of the polit master issued by a bank branch in India by debit to the applicant's Non-Resident (External). Account or by withdrawal from his Foreign Carrency (Non-Resident). Account appether with a certificate from the said bank branch stating that the said demand draft or pay order has been issued by debit to or with frawal from the said account;
- (c) a demand draft drawn in favour of the postmaster by a, bank in a country outside India on its branch or correspondent bank in India;
- (d) cash, together with foreign inward remittance certificate or bank certificate in licating conversion of foreign exchange in rupees or bank certificate issued in favour of the applicant stating that the funds have emanated from the applicant's Non-Resident (Asternal). Account or Foreign Currency (Non-Assident) Account

Explanation:—For the purposes of this rule, a person shall be deemed to be of In lian origin if he, or either of his parents or any of his grand-parents was born in un livided India.";

(4) in rule 9, to sub-rule (2), the following provisos shall be added, namely:—

"Provided that where the payment for purchase of certificate or certificates is made by means of a cheque, pay-order or dem and draft expressed in a foreign currency and the proceeds thereof are not equivalent to the face value of the certificate of the certificates applied for, a certificate or certificates shall be issued for the maximum aggreg to face value possible within the said proceeds but in any case not exceeding the aggregate facevalue of the certificate or the certificates applied for and any balance amount of the said proceeds shall be refunded to the applicant or to any person authorised by him to receive such amount or credited to the savings account, if any, of the applicant in the post office savings bank:

Provided further that where the payment is made in the manner specified in clause(a) of the proviso to rule 8, the certificate shall be issued only after the post office receives an intimution from the drawee bank branch that the cheque has been paid by debit to the applicant's Non-Resident (External) Account with the said drawee bank branch.";

(5) in rule 10, the following proviso shall be inserted at the end, namely:—

"Provided that the facility of issue of a certificate in lieu of an old certificate specified in this rule shall not be available to a person who is a non resident or, as the case may be, who is not resident in India.";

- (6) in sub-rule (1) of rule 18, for the word and figure "Form 1", the words, figures and letter "Form 1 or, as the case may be, Form 1A" shall be substituted;
 - (7) to rule 28, the following proviso shall be added, namely:

"Provided that such interest shall not, in the case of certificates purchased under rule 6 or rule 7 by or on behalf of a

person who is a non-resident, beliable to tax subject to the fulfilment of the conditions specified in this behalf in the said Act."

(8) after rule 28, the following rules shall be inserted, numely. "28A. Wealth-tax.—Subject to the conditions specified in this behalf in the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957), wealth-

this behalf in the Wealth-tax Act, 1957, (27 or 1957), wealth-tax shall not be payable in respect of certificates purely and under rule 6 or rule 7 by or on behalf of a person who is not resident in India.

28B. Gift-tax. Subject to the conditions specified in this behalf in the Gift-tax. Act, 1958 (18 of 1958), gift-tax shall not be charged in respect of gifts made by a person who is not resident in India to any relative of such person in India in the form of certificates purchased by such person under rule 6 or on his behalf under rule 7.";

- (9) in rule 29, —
- (i) in sub-rule(1), after clauses (iv) and before Explanation (1), the following proviso shall be inserted, namely:— "Provided that no fee shall be charge the in respect of such transactions in the case of a certificate purchised by a person who is a non-resident or, as the case may be, who is not resident in India,";
- (ii) in sub-rule (2), after the proviso, the following provious shall be inserted, namely:—
 - "Provided further that no fee shall be charged in the case of a certificate purchased by a person who is a non-resident or, as the case may be, who is not resident in India.";
- (10) in Form 1, in the heading "Form of Application for the purch ise of National Savings Certificates (VI Issue)", for the words "Form of Application", the words "General Form of Application" shall be substituted;
- (11) after Form 1, the following Form shall be inserted, namely:-

FORM IA [See rules 6 and 18 (1)]

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

Form of application for purchase of National Savings Cortificates (VI Issue) by non-resident or person who is not resident in India.

Particulars of Certificates required

Denomination (Rs.) Number of Certificates Total face value (Rs.) Type Joint i.e. 'A' of 'B'@

5000

1000

500

100

Total

@To be filled only for joint-holding.

Joint 'A' type Certificate is payable to both holders jointly or to the survivor; joint 'B' type is payable to either or survivor.

8

^{*}Fill up (a)/(b)/(c)/(d) as the case may be and delute the rest.

^{**}for applicant(s) or for a Scheduled Bank or behalf of client applicant(s).

^{***}amount in Indian or foreign currency, as the case may be, in words and figures.

*(a) in case	is where the Post Office requires a bank cert the certificates will be used to me/us only c	ificate showing the source of funds out	of which the certificates are 'to be
**(b) in case	the proceeds of the cheque/demand draft as aximum possible total face value within such	re less than the face value of certificate	(s) applied for, cortificate(s) may be
in case s	uch proceeds are more than the face value o	f certificate(s)applied for, certificate(s) m	asy be issued as applied for; and
£ in eithe	er case, any balance amount of the proceeds	may be (2) refunded to-	the state of the s
who is hereby	authorised by me/us to receive the same, or	(d) cledite I to my avings arount No.	المامية
iu post office	gavings bank		(Name of post office).
**applicabl	where the required bank certificate is not a le only for chaque/draft expressed in forci-) or (d) as the case may be:	ubmitted with the application.	
4. *I/We d	lcol. re that *I am/we are citizen (s) of Ind	is/person(s) of Indian origin.	
	n shall be deemed to be of Indian origin if b ivided India.	e, or either of his parents or any of th	e grand parents, was born in
	gree to abide by the National Savings Cortologo not require identity slip.	ificates (VI Issue) Rules, 1931.	
	Identity slip shall be issued to a person other behalf of a minor.	er than the one authorised vide paragr	
as per paragrap	umb impression) of the person(s) authorise h 1(b) above.	d if any, Signature (or thumb impre-	ssion if illiterate) of applicant(s)**
Date	- AT the second of the second	Date	
	ficate(s) and the identity slip may be mad	messenger who presents this application	n. ·
		*Signature (or thumb impres	scion if illiterate) of investor(9)
*To be sig	ned or thumb impression effixed only vien		ertificates personally.
	ed the certificates(*) detailed above and \$ id-	entity slip.	
		Signature or thumb impression	of purchaser or his agent/messen- cent his Authority No. should he
\$\$Marks ofident	ification of applicant(s)	\$\$Specimen Signature(s) of	applicant(s)
	t, if the identity slip is not require 1. urnished if identity slip is required under pa nk.	ragraph 6 and if the application is sub-	mitted through an egent, messanger
the bolder(s) of	provisions of section 6(1) of the Governme Savings Co tificate(3) mentioned in this appliance entitled to the Savings Cortificate(s) and	icarion hereby nominate the person(s) :	nuntioned below who shall, on my/
Serial No.	Name(s) of the Nominee(s)	Full address	Date of birth of nominee if minor
1.			
2.			
3. 4.			
5.			
*Strike	out portions not applicable.		

^{**}If the applicant is illiterate, his father's name may also be given. £Strike out portions * t applicable.

I/we appoint Shii,	/Smt./Kumari			above is/are minor(sabove is/are minor(s
Signature and full address of witness				thumb impression if illiterate) of holder(s).
	·		pleted by the Post Office	
SI. No. of Certi- ficates issued	Issue price Rs.	Date of encashment of certificate	Initials of Post-muster	Remarks like transfer, lisur of duplicates etc., & initials of Postmaster
Total No. of Nation (VI Issue) *Amount realisticate(s): Amount refu	onal Savings Certified Rs.	dcates:		
Date-			Makanggang grape di Antonia and Antonia Properti der Makandigan	Signature of Postmaster
				[F.2/21/82NS(1)]

*In case of investment by cheque/demand draft in foreign currency.

Note: —Principal rules published vide G.S.R. No. 309 (E) dated 2^d-4-81.

का॰ का॰ नि॰ 752 (अ) :- कैन्द्रीय सरकार, सरकारी बंधत पत अधिनियम, 1959 (1959 का 46) की द्वारा 12 इंडिंग प्रदक्त क्षेक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय बनत पत्र (मातवा निर्गम) नियम, 1981 का भीर संबोधम करने के लिए निम्नसिक्षित नियम बनाती है, सर्वात् :-

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :- (1)इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रिय बनत पत्र (साँतवां निर्गम) संगोधन नियम, 1982 है।
 - (2) यह को प्रवक्त होंगें।
 - राष्ट्रीय बचत पत्न (सातना निर्गम) नियम, 1981 में,
- (i) खण्ड (1) के पश्चात निम्निशिक्षित नथा खण्ड मन्तःस्थापित किया आंएगा, मर्थात् :—
 - '(iफ) ''नकदी'' से भारतीय करेन्सी में मकदी ग्राधिप्रेत हैं';
- (ii) खण्ड (8) के पश्चात निम्मलिखित खण्ड भ्रन्तःस्यापित किया
 आएगा , भर्मात् :--
- '(8क) "प्रनिवासी" का बही प्रवं है जो घामकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के अप्त (30) में उसका है;';
- (iii) खण्ड (10) के पश्चात निम्नलिखित खण्ड अन्त.स्थापित किया जाएगा , सर्थात् :--
- '(ii) "शारत में निवासी" का वही आर्थ है जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) में उसका है; ';
 - (2) भियम 6 के स्थान पर निम्नलिलजित रवा आएवा, धर्यात् :--
- "१. पक्ष के कय के लिए प्रक्रिया : पक्ष का क्रम्य फरने का इक्छूक कोई क्यक्ति किसी वाकघर में मावेदन-
 - (i) प्रश्य 1 में प्रस्पुत करेगा, भा

(ii) यदि ऐसा धानेदन इस नियम के परम्तुक या नियम 8 में निर्दिष्ट किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है या तो स्वंय उसके द्वारा संदेशवाहक के माध्यम से प्ररूप 1क में (जो सभी डाकधरों में मुफ्त मिलता है) किया जाएगा :

परम्तु जहां प्रावेतक ऐसा व्यप्टि है जो भारत का नागरिक नहीं है या भारतीय उद्भव का व्यक्ति नहीं है, जो यथास्थिति धनिवासी है या जो भारत में निवासी नहीं है वहां पन्न के कथ के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का पूर्व शनुमोधन भावक्यक होंगा।

स्पष्टीकरण :- इन नियमों के प्रयोजनों के लिए किसी व्यक्ति के बारे में यह समझा जाएणा कि वह भारतीय उक्षव का है यदि वह या उसके माता पिता में से कोई एक या उसके पितामह, पितामही या मातामह या मातामही में से कोई मिवनकत भारत में जनमा, या; ';

- (3) नियम 8 गें, -
- (i) क्षण्ड (2) के स्थान पर निग्निशिवित खण्ड रखा जाएना, प्रमीत् :-
- "(2) काकपाल के पक्ष में लिखा गया कोई चैक, प्रवायगी छादेश या मांग देश क्रापट";
- (ii) भिम्निलिखित परन्तुक भीर स्पष्टीकरण ग्रन्त में जोड़ा जाएगा,
 भर्थात् :--

"परस्तु जहां भावेदक कोई ऐसा व्यव्हि है जो भारत का नागरिक है या भारतीय उद्देश्व का व्यक्ति है जो यथा स्थिति निवासी है या जो भारत में निवासी नहा है वहां यदि वह मधास्थिति सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (4ख) या धनकर ध्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27 की धारा 5 की उपहारा (1) के खण्ड (16ग) या बानकर झिधानियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 5 की उपधारा (i) के खण्ड (iiघ) के झिधीन फायबों का उपयोग करना चाहता है तो वह केवल निम्नलिखित रोतियों में से किसी में ऐसा संवाय करेगा, झिथांतु :--

- (क) भावेदक द्वारा भारत में किसी बैंक शाखा में प्रपत्ने भनिवासी (बैदेशिक) खाते पर शाकपाल के पक्ष में लिखा गया कोई चैक;
- (ख) भारत में किसी बैंक शाखा द्वारा प्रावेदक के प्रतिवासी (वैदे-शिक) खाते के प्रति विकलित करके या उसके विदेशी करेग्सीं (प्रतिवासी) खाते में से प्रत्यहरण करके शक्ष्माल के पद्म में लिखा गया कोई मांग देव दूरण्ट या श्रवायणी प्रादेश उक्त बैंक शाखा से इस "प्रमाणपत्र सहित जिसमें यह उल्लिखित ही कि उक्त मांग देव दूर्ण्ट या श्रवायणी श्रादेश उक्त खाते के प्रति विकलन करके या उससे प्रत्याहरण करके जारी किया गया है;
- (ग) भारत के बाहर किर्स वेश में किसी बैंक द्वारा भारत में उसकी शाखा या तरस्थानी बैंक पर डाकपाल के पक्ष में लिखा गया कोई मांग देय ड्वापट ;
- (ण) विवेशों से किए गए प्रेषण के प्रमाणपल या विदेशों मुद्रा का रुपयों में संपरिवर्तन उपविभिन्न कर्ते हुए बैंक प्रमाणपल या धावेदक के पक्ष में जारी किए बैंक प्रमाणपल, जिसमें यह अधिकारित हो कि निधि धावेदक के प्रनिवासी (वैदेशिक) खाते या विदेशों करेन्सी धनिवासी खाते से निर्गत हुई है, सहिस नक्यी।

स्पन्टीकरण : इस नियमों के प्रयोजनों के लिए किसी क्यक्ति कै बारे में यह समझा जाएगा कि वह भारतीय उद्शव का है यदि बह या उसके माता पिता में से कोई एक या उसके पितामह, पितामही या मातामह या मतामहीं में से कोई स्विभक्त भारत में जन्मा था ;

(4) नियम 9 के उपनियम 2 में निम्नलिखित परम्तुक जोड़ा जाएगा: अर्थात :--

"परमुद्ध जहां पक्ष या पत्नों के क्या के लिए संदाय विदेशी करेक्सी में सिक्यक्त जैक या भावायगी भावेश या मांग देय ब्रापट के माध्यम से किया जाता है भीर उसके भागम भावेदित पत्न या पत्नों के भीकत मूल्य के समतुल्य नहीं हैं वहां पत्न उक्त भागमों के भीकर यथा-संभव अधिकतम संकलित भंकित मूल्य के लिए जारी किए जाएंगे किस्सु वे किसी भी दशा में भावेदित पत्न या पत्नों के संकलित भीकित मूल्य से मधिक नहीं होंगें भीर उक्त भागमों की कीई भिन्नकेष रक्तम भावेदक को मा ऐसी रक्तम भाव्य करने के सिए उसके द्वारा भाषिकृत किसी व्यक्ति की भित्रवाय कर दी जाएगी था काक्ष्यर बनत बैक में भावेदक के बनत खाले में जमा कर दी जाएगी :

परम्तु यह और कि जहां संवाध नियम 8 के परम्तुक के खण्ड (क) में विनिदिष्ट रीति में किया जाता है वहां पत्न पाने वाले बैक की शाखा से डाकभर द्वारा यह सूजना प्राप्त करने पर ही जारी किया आएगा कि चैक का संवाध पाने वाली बैंक शाखा के पास धावेदक के धनिवासी (बैदेशिक) खाते की प्रति विकलित करके किया गया है";

(5) नियम 10 में निस्नलिखित परन्तुक अस में अन्त.स्थापित किया जाएगा । संविद्यः

परन्तु यह कि इस नियम में विनिधिष्ट पुराने पक्ष के बबले पक्ष जारी करने की सुविधा ऐसे व्यक्ति को उपलब्ध नहीं होगी जो, यथास्थिति, अनिवासी है या जो भारत में निवासी नहीं है;

- (0) नियम 18 के उपनियम (1) में "प्ररूप 1" तथ्य और अंक के स्थान पर "यथास्थिति प्ररूप 1 था प्ररूप 1क" यथ्य, अंक जीर अकार रखा जाएगा;
 - (7) नियम 28 में निस्नलिश्वित परन्तुक ओड़ा जाएगा, अर्थात् :---

परस्तु वह कि ऐसे व्यक्ति हारा जो धनिवासी है या उसकी घोर से नियम 6 या नियम 7 के धधीन क्रय किए गए पत्नों की दशा में ऐसा क्याज, उक्त धिनियम में इस निमिस विनिविष्ट कर्तों की पूर्ति के ग्रधीन रहते हुए, कर का दावीं नहीं होगा।"

(8) नियम 28 के पश्चात निम्नलिखित नियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, प्रपत्ति :--

"28क-धन-कर-धन-कर प्रीक्षितियम, 1957 (1957 का 27) में इस निमित्त विनिविष्ट नर्तों के प्रधीन रहते हुए किसी व्यक्ति द्वारा, को भारत में नियासी नहीं है, या उसकी और से नियम 6 या नियम 7 के प्रधीन क्य किए गए पक्षों की बाबत धन-कर संवैध महीं होगा।

28व-दान-कर - वान-कर प्रधिनियम, 1958 (1958 का 18) में इस मिमिल विनिधिष्ट नतों के भ्रधीन रहते हुए किसी व्यक्ति द्वारा जो भारत में निथासी नहीं है ऐसे व्यक्ति के भारत में किसी नातेवार को ऐसे व्यक्ति द्वारा नियम 6 के भ्रदीन था उसकी भीर से निथम 7 के प्रधीन कथ किए गए पक्षों के रूप में किए गए दानों की वाबत कोई दान-कर प्रभार्य नहीं होगा।";

- (२) नियम 2 २ में, ~
- (i) उपियम (1) में, चण्ड (4) के पश्चात और स्पष्टीकरण
 (1) के पूर्व निम्मसिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात :-

"परन्तु यह कि ऐसे व्यक्ति हारा को, यथास्थिति , प्रतिवासी है . यह जो भारत में निवासी नहीं है ऋय किए गए पत्न को बंगा में ऐसे संख्यवहारों की बाबत कोई फीस प्रभायं नहीं होगी । ";

(ii) उपनिवस (2) मैं परन्तुक के पश्चात निम्निसिवित परन्तुक अन्त. स्थापित किया जाएसा , अर्थात :-

"परम्तु यह भीर कि ऐसे स्थित द्वारा जो, स्पास्थिति भनिवासी है या भारत में भिनासी नहीं है क्य किए गए पन्न की दशा में कोई फीस अभार्य नहीं होगी।";

- (10) प्रकण 1 में "राष्ट्रीय अचल पत (छठा निर्गन) के कय के लिए ग्रावेदन का प्रकण" नीर्घक में "ग्रावेदन का प्रकण" शक्यों के स्थान पर ग्रावेदन का साधारण प्रकण सम्ब ग्लो जाएगे;
- (11) प्ररूप 1 के पश्थात निम्नलिखित प्ररूप अन्तः स्वापित कियः कार्गा; वर्षात् :-

मा १५५ कि स्वर्धित स

	दिन्त्रिय नियम 6 तथा		
	भारतीय ढाक तार वि		
ग्रतिवासी या ऐसे व्यक्ति	द्वारा, जो भारत में निवासी नहीं हैं, राष्ट्रीय	विचत पत्न (सांसवा निर्गम) के कय	ाके लिए आवेदन का प्ररूप
पनु देश			क्रम मं०⊸
(1) मैं/हम राष्ट्रिय बच	त पक्ष (सारायां निर्गम) के कय के लिए जिनक अपेकि	ल क्यौरा नें/चे दिया गया है, आवेदन त पत्रों की विशिष्टियां	≀ करता हूं/क <i>र</i> ते हैं :
प्रमिधान	पत्नीं की संख्या	कुस भंकित मृत्य	प्रकार ग्रमीत संगुक्त
2		(£)	"क या " ख "
1 ,	2	.3	4
5000			
1000			
500 100			
50			
10			
योग	ه چېلېد ساوه سخونوانو او د د د سوله کې کې د د د د و د د د و و ساوه کې د د و و د د د و و د د د و و د د د و و و	ette aus bed by New extreme 1 between 1 men enterfrequentiet begge for gevingen enterfere	
(क) मेरे नाम/हमारे नाम	``		urden i aktigatetet propon om ha i yr. <u>1925 y filolofor</u> na den, yar b <u>ir iy</u> y - dar panek e ha om e <u>n i yar y</u> ar om
(स्त) भवयम्ब की ग्रोर से	**		
अवयस्क की जन्म क	ो तारी ख	entre an employant de l'anne employ de la la la company de	dar die Committee for der der der der Amerikaanske der der der de der der der der der der
	माता-पिता में से किसी एक¦ विश्विक संरक्षक	द्वारा भुनाने योग्य बनाया जाएगा।	
	के माध्यम से (बैंक शाखा		and we say the same and a party of the property of the same and the same and the same and the same and the same
**			
	के ताम वे		to the state on the to the the sum of the species o
•	ट दीजिए, यदि भपेक्षित न सों क)/विदेशी करेस्सी (ग्रनियासी) खासा रवाने य िक्रय कीमत हेत्.	वाले व् धवतुरी की स्पोन ने लिली पर्न	ें ह्यूचित बैंक के मिए,।
(भारत में बैंक शाखा का ग			
			हेपए) के लिए
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
	के डाकपाल के पक्ष में		
ा(का) (क्षाकंचर का नाम			1
		प्रनिवासी (वेवेशिक) खाता सं० वे	प्रति विकसित करके याः
(भारत में बैंक काखा का न			
			से समतुख्य निवियों
के प्रत्याहरण क्रारा उक्त बैक से	इस प्रमाणपत्न सहित जिसमें यह पुष्ट किया गय	। है कि क्रापट/अवायनो भ्रादेश अ पर-	निर्दिष्ट आते के प्रति विकलन करने या उससे
प्रत्याहरण करके जारी किया गया	\$		आरी किया गया मांगदेथ इ)फ्ट/भदायगी सादेश
#o			i/करते हैं
(π)	के डाकपास के पक्ष	4	- Anna or dender d est to green, and real fleed with the same temperature, and quick to Physics, part is a que
(शक्यर का ना	म)	(भारत के बाहर किसी देश	में बेंक का नाम और पता)
ारा	and the second state and are	es aproximie prani indicator de mandre la quele promite de la filia.	ए लिखा गया मागदेय द्वापट सं०
(भारत म उसका साखा या सत्स	थाना बन का नाम आर पता) पर इसके साथ निवित्वत करता हू/	करते ≹ा	र राजा नमा मानमा क्रांस स्व
			गए प्रेक्णों के प्रमाणपक्त∤विदेती मुद्रा का क्ष्य
A defrate material	१०	, का प्रकार रक्ता, विश्ववा स किए. इ. संपर्देशित करते हुए कि तिकियां	कः, अन्या कः अधानक्ष्याम्यस्याः सुधाः यो योग
-		ए जानामा एटा क्षेत्र कि मानवा	
. †वयास्थित (क)/(ख)/((ग)/(च) भरें भीर शेषकाट दें। अध्यतहारी भानेदक (भावेदकों) की भीर से	ਕਿਸੀ ਅਜਿਸ਼ਕਿਕ ਵੈੱਟ ਕੇ ਕਿਸ ।	
† भावदक/ (भावदका) या	भारतीयं या निदेशी मुद्रा में जैसा भी हो।	•ारा भा सतू (चल चक का कार्	
ा। साम अक्षराभार मका स	भारताय या । भदरा मुद्रा स असा मा हा।		

मेरे/हमारे श्रनिवसी (वैवेशिक)/विवेशी करेर्न्स, श्रानिवासी खाता सं०	
(संबंधित बैक का नाम भीर पता)	
3. मै/हम इन बात के लिए सहमत हू/ हैं कि	
*(क) उन मामलों में जहा डाकघर उन निधियो का, जिनमें से पर्दों का कय किया जाना है यहा पत्न मुझे/हमें डाकघर ढारा ऐसे बैक प्रमाणपत्न की प्राप्ति पर हो जारी किए जाएँगे।	है, स्रोत वर्शित करने याले वैंक प्रमाणपत्न की ध्रवेका करता
**(ख) यदि चैक/मांभदेय द्वापट के ग्रागम भागेदित पद्म (पत्नो) के भ्रंकित मृत्य से कम भ्रंकित मृत्य के लिए जारीकिया जा सकेगा/किए जा सकेगे,	हैं तो पत्र ऐसे मागमों के भीतर भ्रधिकतम यथासंमन कुम
यदि ऐसे ग्रागम भावेदित पत्र (पत्नों) के मंकित मूल्य से भक्षिक है तो यंगा भावेदित पत	ा जारी किया जा सकेगा/किए जा सकेगें; ग्र ीर
** दोनों में से किसी दणा में ग्रागनो की शेपरक्षम का (व्यक्ति का नाम शींर पता)	
प्राधिकृत किया ज्ञाला है, (ग) प्रतिदाय किया जा संकेगा,/या ठाकघर बचत वैंकः	में मेरे बबत खाता सख्या
	। किघर का नाम)
में जमा किया जा सकेगा।	
*वहां लागू होगा जहा वैंक प्रमाणपत्न भावेदन के साथ नहीं प्रम्नुतकिया जाता है * केवल विदेशी करेन्सी में शभिष्यक्त भैक/बृापट के लिए लागू ।	
***थयास्थिति (ग) या (घ) काट दे।	
4 ॉर्म/हम घोषित करना हूं/करते हैं कि मैं/हम मारत फा/के नागरिक हू/हैं मारतीय उद	भव का/के व्यक्ति हं/हैं।
टिप्पण कियी व्यक्ति के बारे में यह सबझा जाएगा कि वह सालार अगत का है यह य था पितामही या मातापह या मातामही में से कोई प्रविभक्त भारत में जन्मा या ।	
5 ंमैं/हम राष्ट्रीय बचत पत्न (सातवां निर्णम) नियम, 1981 का पालन करने का करोर 6 मुझे/हमें, पहुचान पत्नों की अनेका है/जहीं हैं।	करता हूं/करते हैं ।
टिप्पण : मवयस्क की और से कय की दशा में ऊपर पैरा 1 (ख) द्वारा प्राधिका व्यक्ति से भि जाएगी ।	
कपर पैरा 1(ख) के भ्रनुसार प्राधिकृत व्यक्ति (व्यक्तियो) के, मिव कोई हों, हस्ताक्षर (भ्रमूठे का निधान हीं)	ग्रावेदक (भावेदकों) †† के हस्ताक्षर
सारीख	तारीच
Tall-resolve to the second support to the second se	पत्त <u>ाः ————————————————————————————————————</u>
†††पत ग्रीर पहचान पर्ची श्री/श्रीमती	कर्ता (प्राधिकारपद्म सं०)
at the angle and an art and a second of the second of	*
	विनियोक्ता (विनियोक्तामों) के हस्ताक्षर (या झंगूठे का निशान यदि निरक्षर हो)††††
†जो भाग सागू व हो उन्हें काट दें। ††यदि भावेदक निरक्षर हो तो उसके पिता का नाम भी दिया जाएगा	
†††जो भाग लागू न हो उन्हें काट दें।	
†। हस्ताक्षर प्रापृठे का निशान केवल तब संगाया जाएगा जब विनियोक्ता पत्नी का परिदान	स्वयं महीं लेता है।
7 पक्ष, जिनका स्यौरा ऊपर दिया गया है सौर \$ पहचान पर्शी प्राप्त की ।	
 के	ना या उसके ग्रमिकरा/संदेशवाहक के हस्ताक्षर या श्रंपूठे का मिणान
	।বখাব (प्राधिकृत सभिकर्ताक। दशार्मे उसका प्राधिकार पद्म सं० भी दी जानी पाहिए)
\$\$ ग्रावेदक (श्रावेदको) के पहचान चिह्न	\$\$क्षावेदक (घावेदको) के नमूना हस्ताक्षर

\$\$तब दिए जाएंगे यदि पहचान पर्ची की घटेक्षा की जातो है और यदि धावेदन धिकती, संदेशवाहक या धिधसूचित वैक के माध्यम से दिया जाता है

पूरा पता	भ्रवयस्यः ।	ही वज्ञा में नामनिर्देशिती के जन्म की तारी ख
	ाम भौर पूरा पता)	
रो/हमारी मृत्यु हो जाने	पर उस/उन पर शोध्य रकम	प्राप्त करने वाले स्थक्ति के रूप में
	घारक (घारकों) के हस्ताक्षर	(या श्रंगूठेका निशान, यदि निरक्षर हो)
डाकचर द्वारा भरा प	आएगा	
के भुनाने की तारीख	डाकपाल के आधाक्षर	मंतरण द्विप्रतियां जारी करना ग्रावि जैसे टिप्पण भीर डाकपाल के भाषाक्षर
	ा 3(वा) के भनुसार प्रतिवाय	को गई रकम
क्यार्भे।		
		डाकपास के ह स्ताकर ।"
		[ए फ ० 2/2 1/82-एन०एस० (H)]
	रो/हमारी मृत्यु हो जाने डाकषर द्वारा भरा प के भुनामे की तारीच	(नाम और पूरा पता)————————————————————————————————————

G.S.R. 752(E).—In exercise of the powers conferred by Section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules to amend the National Savings Certificates (VII Issue)

Rules 1981, namely :--

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Savings Certificates (VII Issue) Amendment Rules, 1982.

- (2) They shall come into force on the 1st day of 'anuary, 1983.
- 2. In the National Savings Cortificates (VII Issue) Rules, 1981

- (1) in rule 2---
- (i) after clause (i), the following clause shall be inserted, namely ;—
- '(a) "cash" means cash in Indian currency;'
- (ii) after clause (viii), the following clause shall be inserted, namely:—
- '(viila) "non-resident" has the meaning assigned to it in clause(30) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961);';
- (iii) after clause(x), the following clause shall be insorted, namely:→
 - '(xi) "resident in India" has the meaning assigned to it in the Income-tox Act, 1561 (43 of 1561);"

(2) for rule 6, the following rule shall be substituted namely:—

"Procedure for purchase of certificate:-

Any person desiring to purchase a certificate, shall present at a post office, an application—

- (i) in Form 1, or
- (ii) if such application is made by any pe son referred to in the proviso to this rule or rule 8, in Form 1A, (obtainable free of cost at all post offices) either in person or through an authorised agent of the Small Savings Schemes:

Provided that where the applicant is an individual not being a citizen of India or not being a person of Indian origin, who is a non resident or, as the case may be, who is not resident in India, prior approval of the Reserve Bank of India for the purchase of the certificate shall be necessary.

Explanation:—For the purposes of this rule, a person shall be deemed to be of Indain origin if he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in undivided India.";

- (3) in rule 8,---
- (i) for clause (ii), the following clause shall be substituted, no mely:—
- "(ii) a cheque, pay order or demand draft drawn in favour of the postmaster;"
- (ii) the following provise and Explanation shall be added at the end, namely:—

Provided that where the applicant is an individual, being a citizen of Indian or a person of India origin who is a non-resident or, as the case may be, who is not resident in India, he shall, if he desires to avail of the benefits under clause (4B) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), or clause (xvic) of sub-section (1) of section 5 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) or clause (iid) of sub-section (1) of section 5 of the Gift-tax Act, 1958 (18 of 1958), as the case may be, make such payment only in any of the fellowing medes, namely:—

- (a) a cheque in favour of the postmaster deawn by the applicant on his Non-Resident (External) Account with a bank branch in Indla;
- (b) a domand draft or pay order in favour of the postmaster issued by a bank branch in India by debit to the applicant's Non-Resident (External) Account or by with drawal from his Foreign Currency (Non-Resident) Account together with a certificate from the said bank branch stating that the said demand draft or pay order has been issued by debit to or withdrawal from the said account;
- a demand draft drawn in tayour of the postmaster by a bank in a country outside India on its branch or correspondent bank in India;
- (d) cash, together with foreign inward remittence certificate or bank certificate indicating conversion of foreign exchange in rupees or bank certificate issued in favour of the applicant stating that the funds have emantated from the applicant's Non-Resident (External) Account or Foreign Currency (Non-Resident) Account.

Explanation.—For the purposes of this rule, a person shall be deemed to be of Indian origin if he, or either of his parents or any of his grand-parents was born in undivided India.";

(4) in rule 9, to sub-rule (2), the following provisios shall be added, namely:—

'Provided that where the payment for pu chase of certificate certificates is made by means of a cheque, pay order or demand

draft expressed in a foreign currency and the proceeds thereof are not equivalent to the face value of the certificate or the coldificates applied for, a certificate or certificates shall be issued for the maximum aggregate face value possible within the said proceeds but in any case not exceeding the aggregate face value of the certificate of the certificates applied for and any balance amount of the said proceeds shall be refunded to the applicant or to any person authorised by him to receive such amount or credited to the savings account, if any, of the applicant in the post office savings bank:

Provided further that where the payment is made in the manner specified in clause(a) of the proviso to rule 8 the certificate shall be issued only after the post office receives an intimetion from the drawed bank branch that the cheque has been paid by debit to the applicant's Non-Resident (External) Account with the said drawed bank branch."; (5) in rule 10 the following proviso shall be inserted at the end namely:—

"Provided that the facility of issue of a certificate in lieu of an old certificate specified in this rule shall not be available to a person who is a non-resident or as the case may be who is not resident in India.";

- (6) in sub-rule (1) of rule 18 for the word and figu e "Form 1" the words figures and letter "Form 1 or as the case may be Form 1A" shall be substituted;
- (7) to rule 8, the following provise shall be added, namely:—
 "Provided that such interest shall not, in the case of certificates purchased under rule 6 or rule 7 by or on behalf of a person who is a non-resident, be liable to tax subject to the fulfilment of the conditions specified in thi behalf in the said Act.";
- (8) after rule 28, the following rules shall be inserted, namely:—

"28.A. Wealth-tax.—Subject to the conditions specified in this behalf in the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957), wealth-tax shall not be payable in respect of certificates purchased under rule 6 or rule 7 by or on behalf of a person who is not resident in India.

28B. Gift-tax,—Subject to the conditions specified in this behalf in the Gift-tax Act, 1958 (18 of 1958), gift-tax shall not be charged in respect of gifts made by a person who is not resident in India to any relative of such person in India in the form of coefficate purchased by such person under rule 6 or on his behalf under rule 7.";

- (9) in ru'e 29,-
 - (i) in sub-rule (1), after clauses (iy) and before Explanation (1), the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that no fee shall be chargeable in respect of such transactions in the case of a certificate purchased by a person who is a non-resident or, as the case may be, who is not resident in India.";

- (ii) in sub-rule (2), after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely:— "Provided further that no fee shall be charged in the case of a certificate purchased by a person who is a non-resident or, as the case may be, who is not resident in India.";
- (10) In Form 1, in the heading "Form of Application for the purchase of National Savings Certificates (VII Issue)", for the words "Form of Application", the words "General Form of Application" shall be substituted;
- (11) after Form 1, the following Form shall be inserted, namely:—

account referred to above.

FORM IA

[See rules 6 and 18 (1)]

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

Form of appoication for purchase of National Savings Certificates (VII Issue) by non-reladent or person who is not resident in India.

			Serial No.				
(1) I/we hareby apply	for the purchase of National Savings	Certifictes (VII Issue) as detailed	below:				
Particulars of Certificates required							
Denomination (Rs.)	Number of Certificetes	Total face value (Rs.)	Type i.e. Joint 'A' οτ 'B' @				
5000							
1000							
500 100							
Total							
(a) in my/our name(s) £						
(b) on behalf of mi Date of birth of	nor £						
* . ,	made encahsable by father/ rent/legal guardian of the minor.						
++(c) in the name of £		F	<u> </u>				
through ———	(name and ad	iress of bank branch).	······································				
(+) Strike out any or	als name(s) with aliases, if any, address r all of the alternatives, if not required. nk on behalf of client having Non-Res		y (Non-Resident) Account with the				
*2. I/We tender herev	with towards the purchase price of the c	ertificates applied for,					
,	dated		in favour of the				
Postmaster —		for Rs.					
- (Name of Post	•						
	Account No.						
Non-Resident (External) A	Account 140.		and address of bank branch in India				
**(b) demand draft/r	pay order No						
	1						
m nivour of the Postmatset		(Name of Post Office)					
issued by							
i dista sa St - W-11 - 7	•	iress of bank branch in India)	middlesson of anti-track for the				
· ·	External) Account No.						
	esident) Account No.						
01	(Name and add						
together with a certificate f	rom the said bank confirming that the	draft/pay order has been issued	by debit to or withdrawal from the				

(b) Denigated Digit Inc.	dated———————————————————————————————————
(Name of Post Office	±) -10f ***10f
	ntry outside India)
(Name and adddiess	of its branch or correspondent bank in 11 dua. Rupces————————————————————————————————————
together with foreign inward remittance certificate/bank condicating that the funds have emanated from my/our Non-	ertificate indicating conversion of foreign exchange in rupees, bank certificate Resident (L. dernar), Toreign Currency (Non-Resident) Account No.
	(Name and address of the bank concerned).
*Fill up (a)/(b)/(c)/(d) as the case may be and delete t **for applicant(s) or for a Scheduled Bank or behalf o ***amount in Indian or foreign currency, as the case 3. I/We agree that—	f client applicant(s).
	iscate showing the source of funds out of which the certificates are to be puript of such bank certificate by the Post Office.
issued for the maximum possible total face value within st	••
	certificate(s) applied for, certificate(s) may be issued as applied tor; and
£ in either case, any balance amount of the proceeds	(Name and address of person)
who is hereby authorised by me/us to receive	the same, or (d) credited to my savings account No.——— (Name of post office)
†Applicable where the required bank certificate is no ‡applicable only for cheque/draft expressed in foreign cu	
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$1/We declare that * 1/am/we are citizen(s) of Ind	
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$1/We declare that * 1/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$1/we agree to abide by the National Savings Cer	lia/person(s) of Indian origin, f he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$1/We declare that • 1/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$1/we agree to abide by the National Savings Cer 6. \$ 1/We do/do not require identity slip.	lia/person(s) of Indian origin. f he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in rufficates (VII Issue) Rules, 1981.
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$1/We declare that • 1/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$1/we agree to abide by the National Savings Cer 6. \$ 1/We do/do not require identity slip. Note: No identity slip shall be issued to a person other the of a minor.	lia/person(s) of Indian origin. f he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in rufficates (VII Issue) Rules, 1981.
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$1/We declare that • 1/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$1/we agree to abide by the National Savings Cer 6. \$ 1/We do/do not require identity slip. Note: No identity slip shall be issued to a person other the of a minor. Signature (not thum impression) of the person(s)	lia/person(s) of Indian origin, f he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in rifficates (VII Issue) Rules, 1981. han the one authorised vide paragraph 1(b) above in case of purchase on behalf Signature (or thumb impression if illiterate) of applicant(s) \$\$ Date Address
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$1/We declare that • 1/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$1/we agree to abide by the National Savings Cer 6. \$ 1/We do/do not require identity slip. Note: No identity slip shall be issued to a person other the of a minor. Signature (not thum impression) of the person(s) authorised if any, as per paragraph 1(b) above. Date————————————————————————————————————	lia/person(s) of Indian origin. It flie, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in rufficates (VII Issue) Rules, 1981. It han the one authorised vide paragraph 1(b) above in case of purchase on behalf Signature (or thumb impression if illiterate) of applicant(s) \$\$ Date Address E over to Shti/Smt.
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$1/We declare that • 1/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$1/we agree to abide by the National Savings Cer 6. \$ 1/We do/do not require identity slip. Note: No identity slip shall be issued to a person other the of a minor. Signature (not thum impression) of the person(s) authorised if any, as per paragraph 1(b) above. Date————————————————————————————————————	lia/person(s) of Indian origin. It flie, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in rufficates (VII Issue) Rules, 1981. In the one authorised vide paragraph 1(b) above in case of purchase on behalf Signature (or thumb impression if illiterate) of applicant(s) \$\$ Date Address E over to Shri/Smt.
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$I/We declare that • I/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$I/we agree to abide by the National Savings Cere 6. \$ I/We do/do not require identity slip. Note: No identity slip shall be issued to a person other the of a minor. Signature (not thum impression) of the person(s) authorised if any, as per paragraph 1(b) above. Date————————————————————————————————————	lia/person(s) of Indian origin. If he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in rinficates (VII Issue) Rules, 1981. In han the one authorised vide paragraph 1(b) above in case of purchase on behalf Signature (or thumb impression if illiterate) of applicant(s) \$\$ Date Address Over to Shri/Smt. Or messonger who presents this application. *Signature (or thumb impression if illiterate) of investor(s) Date
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$I/We declare that • I/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$I/we agree to abide by the National Savings Cer 6. \$ I/We do/do not require identity slip. Note: No identity slip shall be issued to a person other to of a minor. Signature (not thum impression) of the person(s) authorised if any, as per paragraph 1(b) above. Date————————————————————————————————————	lia/person(s) of Indian origin. If he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in strificates (VII Issue) Rules, 1981. In han the one authorised vide paragraph 1(b) above in case of purchase on behalf Signature (or thumb impression if illiterate) of applicant(s) \$\$ Date Address Over to Shri/Smt. Over to Shri/Smt. Signature (or thumb impression if illiterate) of investor(s) Date Date
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$I/We declare that • I/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$I/we agree to abide by the National Savings Cer 6. \$ I/We do/do not require identity slip. Note: No identity slip shall be issued to a person other to of a minor. Signature (not thum impression) of the person(s) authorised if any, as per paragraph 1(b) above. Date————————————————————————————————————	lia/person(s) of Indian origin. If he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in strificates (VII Issue) Rules, 1981. In han the one authorised vide paragraph 1(b) above in case of purchase on behalf Signature (or thumb impression if illiterate) of applicant(s)\$\$ Date Address Over to Shri/Smt. Over to Shri/Smt. Signature (or thumb impression if illiterate) of investor(s) Date Thumb impression if illiterate of investor(s)
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$I/We declare that • I/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$I/we agree to abide by the National Savings Cer 6. \$ I/We do/do not require identity slip. Note: No identity slip shall be issued to a person other the of a minor. Signature (not thum impression) of the person(s) authorised if any, as per paragraph 1(b) above. Date————————————————————————————————————	lia/person(s) of Indian origin. If he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in rinficates (VII Issue) Rules, 1981. Than the one authorised vide paragraph 1(b) above in case of purchase on behalf Signature (or thumb impression if illiterate) of applicant(s) \$\$ Date Address Over to Shri/Smt. Over to Shri/Smt. Signature (or thumb impression if illiterate) of investor(s) Date also be given ten the investor does not take delivery of certificates personally.
£ delete (c) or (d) as the case may be 4. \$I/We declare that • I/am/we are citizen(s) of Ind Note: A person shall be deemed to be of Indian origin i undivided India. 5. \$I/we agree to abide by the National Savings Cer 6. \$ I/We do/do not require identity slip. Note: No identity slip shall be issued to a person other the of a minor. Signature (not thum impression) of the person(s) authorised if any, as per paragraph 1(b) above. Date————————————————————————————————————	lia/person(s) of Indian origin. If he, or either of his parents or any of his grand-parents, was born in rinficates (VII Issue) Rules, 1981. Than the one authorised vide paragraph 1(b) above in case of purchase on behalf Signature (or thumb impression if illiterate) of applicant(s) \$\$ Date Address over to Shri/Smt. over to Shri/Smt. Signature (or thumb impression if illiterate) of investor(s) Date also be given ten the investor does not take delivery of certificates personally.

[@]Cross out, if the identity slip is not required.

@@To be furnished if identity slip is required under paragraph 6 and if the application is submitted through an agent, messenger of scheduled bank.

1066 GI/82-3

Serial Name(s) of the Nominee(s) No.	Full addre		of nominee if minor.
As the nominee(s) at serial No.(s)———— Kumari ————————————————————————————————————	name and full	.—aobye is/are min	or(s), I/we appoint Shii/Smt./ weive the amou at due thereon
Signature and full address of witness		Signature (or thumb in holder(s).	apression, if illiterate) of
	To be completed by the Pos	st Office	
Sl.No. of Issue Prize Rs. certificate Issued	Date of payment of interest.	Date of ancashment and initials of Post-master	Remarks like transfer issue of duplicate, etc., and initials of Postmaster
Total Number of National Savings Cert & Amount realise Rs. Certificate(s) issued for Rs. Amount refunded as per paragraph 3			
&Amount realise Rs.	(b) Rs. ———————————————————————————————————	Sig	nature of Postmaster.
&Amount realise Rs. Certificate(s) issued for Rs. Amount refunded as per paragraph 3	(b) Rs. ———————————————————————————————————		nature of Postmaster.
&Amount realise Rs. Certificate(s) issued for Rs. Amount refunded as per paragraph 3	(b) Rs. ———————————————————————————————————	Sig	nature of Postmaster.

Note: Principalrules published vied G.S.R. No 310(E) dt. 24-4-1981.